passports were informed that they could obtain them in exchange of Portuguese passports at any Indian Mission abroad.

पाकिस्तानी सामाचार पत्रों में भारत के विरुद्ध प्रचार

*२४. **श्री मोहन स्वरूप :**
श्री स० मो० बनर्जी :
श्री उमानाथ :
श्री प्रकाशवीर शास्त्री :
श्री वाजी :

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पाकिस्तान में निराधार और अतिरंजित समाचारों के प्रकाशन द्वारा भारत को बदनाम करन का योजनाबद्ध आंदोलन चल रहा है ;

(ख) यदि हां, तो यह कार्य दोनों देशों के बीच तय की गई सम्मिलित आचार संहिता के कहां तक अनुकूल है ;

(ग) क्या पाकिस्तान सरकार का ध्यान इस तथ्य की ओर दिलाया गया है; और

(घ) यदि हां, तो उसका क्या निष्कर्ष निकला है ?

वैदेशिक कार्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री दिनेश सिंह) : : (क) जी हां ।

(ख) अप्रैल, १९६० में भारत-पाकिस्तान सूचना सलाहकार समिति की जो बैठक दिल्ली में हुई थी, उसमें दोनों सरकारों ने आपस में एक मिली जुली प्रेस संहिता (कांड) तैयार की थी । पाकिस्तानी अखबारों में जो लेख लिखे जाते हैं, वे इस संहिता को व्यवस्थाओं के बहुत कम अनुकूल होते हैं ।

(ग) पाकिस्तान सरकार का ध्यान इस तथ्य की ओर बराबर दिलाया जाता है ।

(घ) इसका कुछ खास नतीजा नहीं निकला है ।

रक्सोल में नेपाली नागरिकों द्वारा गोली चलाना

*२५. **श्री योगेन्द्र झा :**
श्री स० मो० बनर्जी :
श्री विभूति मिश्र :
श्री प्र० कु० घोष :
श्री कपूर सिंह :
श्री त्रिदिब कुमार चौधरी :
श्री कोल्ला वक्य्या :
श्री यशपाल सिंह :
श्री बिशन चन्द्रसेठ :
श्री नरेन्द्र सिंह महीडा :
श्री प्र० के० देव :
श्री सुरेन्द्र पाल सिंह :
श्री द्वा० ना० तिवारी :
श्री प्र० चं० बरुआ :
श्री का० ना० तिवारी :
श्री बालकृष्ण वासनिक :

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि २९ सितम्बर, १९६२ को पांच शसस्त्र नेपालियों ने रक्सौल के एक जलपान-गृह में पांच व्यक्तियों को गोली चला कर घायल कर दिया था ; और

(ख) क्या यह भी सच है कि घायल व्यक्तियों में भारतीय गुप्तचर विभाग के अधिकारी भी थे ?

वैदेशिक कार्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री दिनेश सिंह) : (क) जी हां । यह सच है कि नेपाली पुलिस के तीन कर्मचारी भारतीय इलाके में घुस आय थे । ये लोग रिवाल्वरों से लैस थे और इन्होंने